उन्हें भारतीय जनसंघ जैसे मजबूत अखिल भारतीय राजनीतिक संगठन का महामंत्री बनाया गया। कुछ वर्शों पश्चात् वे जनसंघ के अध्यक्ष भी बनाए गए। एक बार एक कार्यकर्ता ने उनसे पूछा–
देखो मैं पहले संघ का स्वयंसेवक हू। संघ एक परिवार है। परिवार के सर्वश्रेश्ठ अधिकारी तुम्हारे पिताजी हैं। ऐसा मानते हो?
श्रीमान् आप तो जनसंघ जैसे राजनीतिक संगठन के हैं फिर राश्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यक्रम में क्यों आए?
जी
श्रीराम भी तो अपने पिताजी की आज्ञा से 14 वर्श के लिए वनवास गए थे। यह तो अपनी परम्परा है। वहां जंगलों में वनवास था, यहां शहरों में सन्यास है,
हा हा हा।